आंतरिक

रेडिएशन थेरापी

इसे ब्रेकीथेरापी कहते हैं। इस उपचार में गाँठ या आसपास की पेशियों में रेडियोएक्टिव सामग्री दाखिल की जाती है, जिससे अधिक सटीक डोज दिया जा सके।

ब्रेकीथेरापी के दौरान आपके रेडियेशन ओंकोलॉजिस्ट गांठ में तथा आसपास की पेशियों में पतली, खोखली प्लास्टिक की नली दाखिल करते हैं। इस नली में छोटे से रेडियोएक्टिव सीड्स (बीज) होते हैं, जो कैंसर को मारने के लिए कुछ समय के लिए उसमें रहते हैं। इसके बाद सीड व ट्यूब को दूर किया जाता है। हल्के डोज के रेट की ब्रेकीथेरापी द्वारा सीड्स एक से तीन दिन के लिए उस जगह पर रहेंगे। उच्च डोज रेट ब्रेकीथेरापी में एक रेडियोएक्टिव सीड ट्यूब में अलग-अलग जगहों पर कुछ समय के लिए अटकते हैं, जिससे एक समान डोज दिया जा सके और सामान्यतः यह दो या अधिक दिनों में अलग-अलग सत्रों में दिया जाता है। ब्रेकीथेरापी के निश्चित प्रकार तथा सीड्स कितने समय रहेंगे; इसकी समयावधि का आधार आपके कैंसर व उपचार की योजना पर रहता है।

संभावना

दुष्प्रभाव

रेडियेशन थेरापी का प्रभाव जिस जगह पर उपचार लिया जाता हो, उस क्षेत्र तक सीमित रहता है। उसके दुष्प्रभावों में त्वचा लाल हो जाना, मुँह व गला बिगड़ जाना, मुँह सूख जाना, मोटा बलगम आना, स्वाद बदल जाना या भोजन निगलते वक्त दर्द होना तथा सिर, गर्दन व चेहरे के बाल झड़ जाना शामिल हैं। थकान लगना भी बहुत सामान्य है। उपचार पूर्ण होने के बाद आपको भोजन का जो स्वाद लगता हो तथा लार पैदा होने का जो प्रमाण हो, उसमें सुधार होगा। प्रत्येक मरीज के लिए दुष्प्रभाव अलग-अलग होते हैं, परंतु अधिकांश मामलों में कुछ सप्ताहों के बाद दुष्प्रभाव कम होने लगते हैं, परंतु अधिक तीव्र उपचार दिया गया हो, तो सुधार की समयावधि बढ़ जाती है।

आपको हर संभव अधिक आराम देने के लिए दवाइयाँ सुझाई जा सकती हैं। वजन में कमी रोकने में सहायक बनने वाले पोषक पूरक महत्वपूर्ण हैं। किसी भी समय उपचार के दौरान आपको दिक्कत महूस हो, तो अपने डॉक्टर या नर्स को बताएँ। आपको ठीक महसूस हो, उसके लिए वे आपको दवाई सुझा सकते हैं। आप कुपोषण का शिकार हुए हों या अधिक पोषण के आधार की जरूरत हो, तो कई बार भोजन देने की नली सहायक हो सकती है।

अपना ध्यान रखें

उपचार के दौरान

उपचार के दौरान ज्यादा से ज्यादा आराम करें और सहायता मांगने में घबराएँ नहीं। आपके डॉक्टर के सुझावों का पालन करें। आपको किसी बात पर संदेह, तो पूछें। आप कोई भी दवाई या विटामिन लेते हों, तो अपने डॉक्टर को उसके बारे में बताएँ, जिससे वे रेडियेशन थेरापी के दौरान सुरक्षा की जाँच कर सकें। संतुलित आहार लें, भोजन का स्वाद अच्छा लगता न हो या आपको भोजन में दिक्कत पेश आती हो, तो अपने डॉक्टर या डायेटिशियन को बताएँ। आप जो भोजन लेते हैं, उसमें शायद वे मदद कर सकें। रेडियेशन किया गया हो, उस त्वचा का खास ध्यान रखें। सूर्य प्रकाश से दूर रहें, गर्म या ठंडा पैक टालें, आपके डॉक्टर की सलाह लेने के बाद केवल लोशन व ऑइण्टमेंट का उपयोग करें और उस जगह को गुनगुने पानी व हल्के साबुन से धो डालें।

दाँत की उचित देखभाल रखने से मुँह के संक्रमण व दाँत में सड़न की आशंका घट जाती है। दाँत को व्यवस्थित रूप से साफ करने से सड़न, मसूढ़ों की बीमारी या जबड़े के संक्रमण को रोकने में मदद मिल सकती है।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1257
मोबाईल : +91 99792 75555 ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00
सीम्स अस्पतालकी ओप्लीकेशन उपलब्ध है।

ANDROID APP ON Google play | Download on the App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : **+91-98244 50000, 97234 50000**

सिर और गर्दन का कैंसर

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सिर व गर्दन का कैंसर

सिर व गर्दन का कैंसर सिर से गर्दन तक के क्षेत्र में कहीं भी हो सकता है। उपचार के विकल्पों का आधार सिर व गर्दन में गाँठ कहाँ, उस पर आधारित है (जैसे की जीभ, गला आदि), क्योंकि गाँठ का प्रत्येक भाग उपचार का अलग-अलग प्रतिभाव देता है। सिर व गर्दन के कैंसर के उपचार के दो तरीके हैं। इनमें रेडियेशन थेरापी तथा सर्जरी शामिल है। कई बार कीमोथेरापी और/अथवा लक्ष्यांकित सिस्टेमैटिक थेरेपी का उपयोग रेडिएशन थेरापी के साथ किया जा सकेगा, जिससे कैंसर दोबारा पैदा न हो और शरीर के अन्य भागों में न फैले।

सिर व गर्दन के कैंसर का उपचार

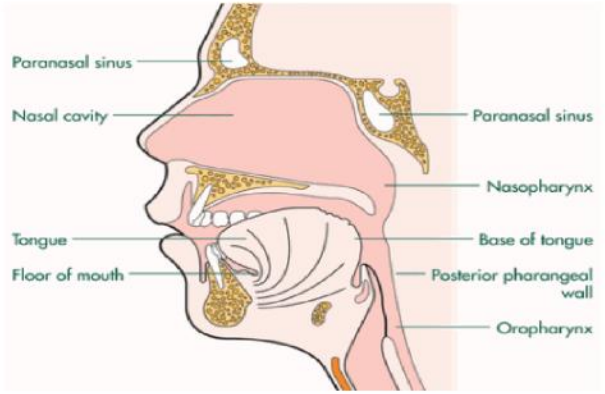

- मुँह व गले की रचना की आकृति

रेडियेशन थेरापी

रेडियेशन थेरापी में कैंसरग्रस्त कोष के उपचार के लिए केन्द्रित रेडियेशन का उपयोग किया जाता है, जिसमें कोष की विभाजन क्षमता खत्म की जाती है। रेडियेशन के कारण आसपास की स्वस्थ पेशियों पर भी प्रभाव पड़ता है, जिससे थोड़ा नुकसान हो सकता है। हालाँकि कैंसरग्रस्त कोष की तुलना में स्वस्थ सामान्य कोष रेडियेशन के घाव से ठीक होने में अधिक सक्षम होते हैं, क्योंकि उसमें रेडियेशन से हुए नुकसान के सामने टिकने की क्षमता बनी रहती है।

सर्जरी

उपचार में सर्जरी महत्वपूर्ण उपचारात्मक पद्धति है। बायोप्सी से लेकर लवचिक एण्डोस्कॉपिक कैमेरा द्वारा नाक, मुँह एवं गर्दन का विश्लेषण कर आपके सर्जन बता सकेंगे कि गांठ फैली है या नहीं। यदि सर्जरी आपके उपचार का हिस्सा होगी, तो आपके सर्जन सामान्य पेशियों के रिम के साथ उसे दूर कर सकेंगे। गांठ के स्थान व वह कितना आगे बढ़ा है, उसके आधार पर सर्जन गर्दन में लम्फ नोड्स सर्जिकली दूर कर सकते हैं। लिम्फ नोड्स सामान्य रोग प्रतिकारक शक्ति का हिस्सा है तथा कुछ गाँठों के प्रसार का सामान्य मार्ग है। आपके चिकित्सक से पूछिए कि लिम्फ नोड्स दूर करने की संभावना कितनी है और गर्दन में लिम्फ नोड्स के लिए सर्जरी की जरूरत पड़ेगी या रेडियेशन की जरूरत पड़ेगी, यह जानिए।

कुछ मामलों में सर्जरी व रेडियेशन दोनों किए जाते हैं। रेडियेशन मुख्य उपचार हो, तो पीछे से कुछ सर्जरी उपयोगी हो सकती हैं, क्योंकि उसका निर्णय प्रत्येक केस के अनुसार किया जाता है। यदि सर्जरी मुख्य उपचार हो, तो अधिक फैली बीमारी जानी जा सकती है, तो सर्जरी के बाद रेडियेशन उपयोगी साबित हो सकता है।

कीमोथेरापी

इसमें अलग-अलग पद्धति द्वारा कैंसर के कोष को नष्ट करने की क्षमता होती है। कई बार श्रेष्ठ परिणाम पाने के लिए एक से तीन प्रकार की अलग-अलग दवाइयाँ संयुक्त रूप से उपयोग की जाती हैं। उपचार की दवाइयाँ तथा शिड्युअल अलग-अलग होते हैं, परंतु कीमोथेरापी सामान्यतः रेडियेशन थेरापी के समय दी जाती है। कुछ मामलों में रेडियेशन उपचार से पहले कीमोथेरापी उपयोगी हो सकती है। इस प्रकार के उपचार को निओएडज्युवेंट कीमोथेरापी कहते हैं।

लक्ष्यांकित थेरापी

इसमें निश्चित मोलेक्युल्स पर कैंसर विरोधी उपचार को केन्द्रित किया जाता है; जैसे कि एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर (ईजीएफआर)। उसे रेडियेशन थेरापी के साथ भी उपयोग में लिया जा सकता है।

बाह्य बीम रेडियेशन थेरापी

रेडियेशन थेरापी उपचार पीड़ारहित दैनिक सेशन की श्रेणी में दिया जाता है। रेडियेशन उपचार में कुछ मिनट ही लगते हैं, परंतु प्रत्येक सत्र में चेक इन होने, कपड़े बदलने, उचित स्थिति में आने व रेडियेशन प्राप्त करने में ३० मिनट लग जाते हैं। उपचार सामान्यतः रोजाना, सोमवार से शुक्रवार तक, सप्ताह में पाँच से सात दिन दिया जाता है।

उपचार शुरू करने से पहले आपको एक आयोजन सत्र में भाग लेना होगा, जिससे आपके रेडियेशन ऑनकोलॉजिस्ट किस जगह का उपचार करना चाहते हैं, यह तय किया जा सके। इस प्रक्रिया को सिम्युलेशन कहते हैं। सिम्युलेशन में एक्स-रे और/अथवा सीटी स्कैन किया जाता है। उपचार के दौरान आपको स्थिर रखने के लिए आपके डॉक्टर सिर व कंधे पर एक प्लास्टिक मॉस्क का उपयोग कर सकते हैं। आप यह फॉर्म-फिटिंग साधन की मारफत देख सकते हैं और साँस ले सकते हैं, जो आरामदायक है और उपचार के दौरान आप कम से कम हलन-चलन करो, इसके लिए होता है। कुछ मालों में मुँह के सामान्य भाग में रेडियेशन प्रवेश न करे; यह सुनिश्चित करने के लिए अन्य उपकरण उपयोगी हो सकते हैं।

- **त्रिपरिमाणीय कन्फर्मल रेडियोथेरापी (थ्रीडी-सीआरटी)** में प्रभावित क्षेत्र में रेडियेशन का सटीक डोज देने के लिए अनेकविद् रेडियेशन उपचार क्षेत्रों का समन्वय होता है।
- **इन्टेन्सिटी मॉड्युलेटेड रेडियेशन थेरापी (आईएमआरटी)** थ्रीडी सीआरटी का स्वरूप है, जो प्रत्येक रेडियेशन बीम की तीव्रता में फेरबदल कर रेडियेशन में बदलाव लाता है। इससे लक्ष्यांकित क्षेत्र में रेडियेशन के डोज को सटीक रूप से एडजस्ट किया जा सकता है। कई बार आईएमआरटी से उपचार पूर्ण होने के बाद मुँह सूख जाना या अन्य दुष्प्रभावों की आशंका घटाने में मदद मिलती है।